# मिशन शिक्षण संवाद

## पाठ्यक्रम पर आधारित रूचिपूर्ण, शैक्षिक एवं उपयोगी मधुर गीतों का संग्रह

# गीतांजलि सृजन

**अंक- 24** **माह- नवम्बर 2024**

गीतकार -
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

#9458278429


संकलन - मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन ठीम

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

कक्षा - 3

विषय- हिन्दी पाठ- 4 (तालाब में चाँद, भाग -1)

591

तर्ज - जिन्दगी एक सफ़र है सुहाना....

बादलों में चाँद था आया।
तालाब में उसकी थी छाया।।

बन्दरों ने तालाब में देखा,
चाँद की देखी छाया रेखा,
बोला मैं चाँद पड़कर लाया।
तालाब में उसकी थी छाया।।
बादलों में.....

चाँद पकड़ने की फिराक में,
कूदा बन्दर तालाब में,
पर चाँद हाथ नहीं आया।
तालाब में उसकी थी छाया।।
बादलों में.....

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

कक्षा - 3

विषय- हिन्दी पाठ- 4 (तालाब में चाँद, भाग -2)

592

तर्ज - जिन्दगी एक सफ़र है सुहाना....

बादलों में चाँद था आया।
तालाब में उसकी थी छाया।।

डर गया मुझसे देखो चाँद,
गायब हो गया देखो चाँद,
सबने मिलकर उपाय बनाया।
तालाब में उसकी थी छाया।।
बादलों में...

एक दूजे का हाथ पकड़,
डाली पर वो लटके मगर,
डाली टूटी मगर मुस्काया।
बोल डरो मत मैं हूं आया।
तालाब में उसकी थी छाया।।
बादलों में...

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

## कक्षा - 3

विषय- हिन्दी पाठ-5 (साहसी सीमा )

तर्ज - धीरे-धीरे प्यार को बढ़ाना है....

593

सीमा ने साहस दिखाया है।
मुसीबत को दूर भगाया है।।

रात काली गहरायी,
सीमा और उसका भाई,
दोनों घर में अकेले थे।
माता, पिता भोर होते,
तीज का सामान लेके
दीदी के घर को चले थे।
बचाओ का शोर बाहर से आया है।
मुसीबत को दूर भगाया है।।
सीमा ने साहस.....

देखो देखो बाढ़ आयी,
सीमा ने जगाया भाई,
सामानों को ऊपर रखा फिर।
छत पर सीढ़ी लगायी,
भाई संग ऊपर आयी,
माता-पिता को फोन किया फिर।
पर फोन नहीं लग पाया है।
मुसीबत को दूर भगाया है।।
सीमा ने साहस.....

रात छत पर बितायी,
सुबह आवाज लगायी,
पड़ोसी ने अपनी छत पर चढ़ाया।
एक मोटरबोट आयी,
सीमा और उसके भाई,
को सुरक्षित पहुंचाया।
माता पिता को देख सुकून पाया है।
मुसीबत को दूर भगाया है।।
सीमा ने साहस.....

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

## कक्षा - 3

विषय- हिन्दी पाठ-9 (वाराणसी की यात्रा, भाग-1)

तर्ज - आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं.....

594

आओ बच्चों तुम्हें ले जाएं वाराणसी की यात्रा पर।
गाँव से काफी है दूर रेलगाड़ी का है सफर।।
52 रु० का टिकट लगा दीदी मेरे साथ मगर।
छुक-छुक करती रेल चली आनन्द से हुआ सफर।।

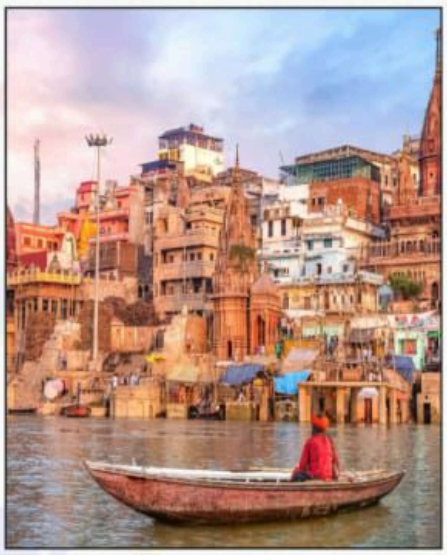

ऐसा लग रहा था जैसे पेड़ हमारे साथ चले,
स्टेशन पर उतरे तो भीड़ बहुत ही हमें मिले,
दीदी ने फिर रिक्शा किया बुआ के घर पहुंच गए,
शैली राजू और बुआ, खुश हुआ फिर पूरा घर।
आओ बच्चों तुम्हें.....

सुबह-सुबह गोदौलिया घूमने फिर हम चले,
मेले जैसी चहल-पहल ऊँचे मन्दिर हमे मिले,
विश्वनाथ जी की आरती फूल और प्रसाद मिले,
शहनाई बज रहा था कोई मन्दिर के बाहर।
आओ बच्चों तुम्हें.....

दशाश्वमेघ घाट गए और गए टेढ़ा मन्दिर,
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय गए संकट मोचन मन्दिर,
भूख मिटाई लस्सी पीकर, गर्म जलेबी को खाकर,
भीड़ लगी थी बाटी चोखा, सत्तू वाले ठेले पर।
आओ बच्चों तुम्हें.....

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

कक्षा - 3

595

विषय- हिन्दी पाठ-9 (वाराणसी की यात्रा, भाग-2)

तर्ज - आओ बच्चों तुम्हें दिखाएं.....

आओ बच्चों तुम्हें ले जाएं वाराणसी की यात्रा पर।
गाँव से काफी है दूर रेलगाड़ी का है सफर।।

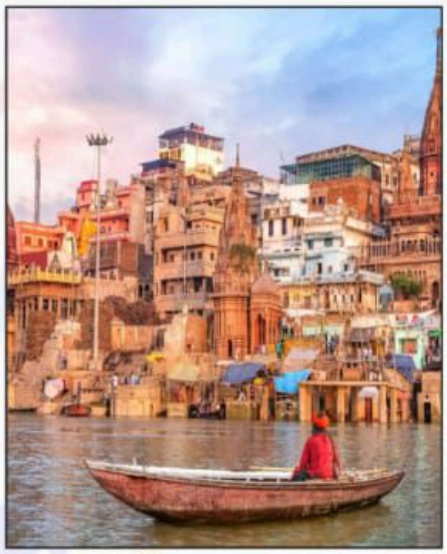

अगले दिन सारनाथ गए, संग्रहालय को देखा फिर,
बड़ी-बड़ी थी मूर्तियां,
अशोक की लाट आई नजर,
जिस पर चार सिंह बने, फिर देखा बौद्ध मंदिर।
रेलगाड़ी इन्जन बनाने का कारखाना देखा फिर।।
आओ बच्चों तुम्हें.....

शाम को बाजार गए,
रात को वापस आए घर,
शैली राजू से बात करी, सुबह लौटना हमे मगर,
घर जाने की थी खुशी, वाराणसी से प्यार मगर।
गले लगाया बुआ ने,बोली छुट्टी में आना घर।।
आओ बच्चों तुम्हें.....

आओ बच्चों तुम्हें ले जाएं वाराणसी की यात्रा पर।
गाँव से काफी है दूर रेलगाड़ी का है सफर।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

कक्षा - 3

596

विषय- हिन्दी पाठ-10 (बन्दर बाँट)

तर्ज - हम तुम्हे चाहते हैं ऐसे....

काली बिल्ली बोली नमस्ते,
सफेद बिल्ली बोली नमस्ते,
बिल्लियाँ थी भूखी, ओऽऽऽ =2
नहीं मिला उनको कुछ रस्ते।।
काली बिल्ली बोली नमस्ते।।

रोटी की महक उनको आई,
मेज पर रोटी देख ललचाई,
रोटी के पीछे, ओऽऽऽ =2
फिर दोनों में हुई लड़ाई।
रोटी की महक उनको आई।।

एक बन्दर वहाँ फिर आया,
लड़ाई देखकर वो मुसकाया,
बिल्लियों ने उसे, ओऽऽऽ =2
एक-एक करके हाल बताया।
एक बन्दर वहाँ फिर आया।।

बन्दर ने करी चतुराई,
तोड़ रोटी तराजू रखवाई,
ये ज्यादा-वो ज्यादा,ओऽऽऽ =2
कहकर पूरी रोटी खाई।
बन्दर ने करी चतुराई।।

रोटी खाकर तराजू को टाँगा,
बन्दर फिर वहा से भागा,
फिर न करेंगे लड़ाई,ओऽऽऽ =2
बिल्लियों ने किया ये वादा।
रोटी खाकर तराजू को टाँगा।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

कक्षा - 3

विषय- हिन्दी पाठ-15 (जड़ और फूल)

तर्ज - फूल गुलाब का.....

597

पेड़ गुलमोहर का=2
लाल फूलों के गुच्छे लगे,
ऐसे लगे जैसे गुलदस्ता।।
पेड़ गुलमोहर का=2

शैतान फूलों ने जड़ को बदसूरत कहा=2
खूब हँसी उड़ाई, लेकिन जड़ चुप ही रहा।
बारिश आई =2 बिजली गिरी,
पेड़ हो गया ठूँठ सा।।
पेड़ गुलमोहर का=2

बीती बरसात, गया जाड़ा, बसन्त आ गया।
हुआ चमत्कार, नए पत्ते, पेड़ हरा भरा हो गया।
कलियों से फूल बने=2, कैसे हो फूल,
जड़ ने फूलों से पूँछा।।
पेड़ गुलमोहर का=2

फूलों ने आदर से सिर को झुकाया।
बोले आपके ही कारण नया जीवन पाया।।
आप सच में खूबसूरत हो=2,
आप से ही पेड़ फिर से पनपा।।
पेड़ गुलमोहर का=2

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन
माह नवंबर 2024

## कक्षा - 3

**598**

### विषय- हिन्दी पाठ-18 (पत्र)

### तर्ज - अफसाना लिख रही हूं .......

पत्र लिखा है, सरोज ने वहीदा को।
चेन्नई में आकर हुये पाँच दिन अभी मुझ को।।

रोज कहीं न कहीं हम घूमने जाते हैं=2
यहां तो बहुत गर्मी , वहाँ ठण्ड बताते हैं=2
यहाँ आपस में बातें करते, वो समझ न आये मुझ को।।
पत्र लिखा है.....

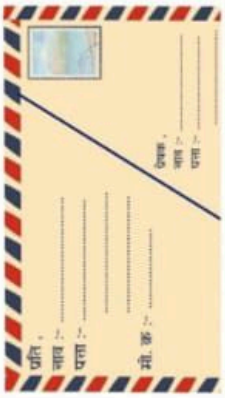



समोसे भी चावल के आटे के बनते हैं=2
इडली, डोसा, साँभर, उपमा खूब खाते हैं=2
नारियल, केले के पेड़ दिखे हर घर मुझको।।
पत्र लिखा है.....

आदमी कमीज और लून्गी पहनते हैं=2
यहाँ लड़कियाँ फूलों का गजरा लगाती हैं=2
इतना बड़ा समुद्र देख आश्चर्य हुआ मुझको।।
पत्र लिखा है......

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

## कक्षा - 3

विषय- हिन्दी पाठ-21 ( घमंडी का बाग)

तर्ज - तुम ही मेरे मन्दिर.....

599

घमंडी का बाग बहुत था न्यारा
बच्चों को प्यारा, बच्चों का प्यारा।

नरम थी हरी घास, चिड़िया थी गाती,
बच्चों को वो सब बहुत ही लुभाती।
भागों यहां से, घमंडी ने पुकारा।।
घमंडी का बाग.....

चहारदीवारी बनाई, बोर्ड टांग दिया,
आना मना है अन्दर, यह लिखवा दिया।
बाग सिर्फ मेरा है नहीं तुम्हारा।।
घमंडी का बाग.....

बसन्त का मौसम सभी जगह आया,
छोटे छोटे फूलों को उसने खिलाया।
घमंडी के बाग में अभी भी था जाड़ा।।
घमंडी का बाग.....

घमंडी के बाग में बर्फ और ओला,
घमंडी ने सोचा पर मौसम न बदला।
न तो बसन्त आया, न गर्म फुहारा।।
घमंडी का बाग.....

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

## कक्षा - 3

विषय- हिन्दी पाठ-21 ( घमंडी का बाग,भाग-2)

600

तर्ज - तुम ही मेरे मन्दिर.....

घमंडी का बाग बहुत था न्यारा
बच्चों को प्यारा, बच्चों का प्यारा।

एक दिन घमंडी पलंग पर लेटा,
बच्चों का शोर सुनकर थोड़ा वो ऐंठा।
खिड़की से झाँका तो बच्चों का शोर सारा।।
घमंडी का बाग.....

बच्चों को देख कर कलियाँ मुसकायीं,
पेड़ खुश हो गए, चिड़ियाँ चहचहायीं।
घमंडी का दिल पिघला, बोला मैं कितना बुरा।।
घमंडी का बाग.....

चहारदीवारी को मैं गिरा दूँगा,
खेलो प्यारे बच्चों मैं कुछ न कहूँगा।
छोटे बच्चे को गोद में ले प्यार से पुकारा।।
घमंडी का बाग.....

बच्चे समझ गए घमंडी बदल गया,
छुट्टी बाद बच्चे खेले घमंडी सुधर गया।
बोला बच्चों ये बाग अब हैं तुम्हारा।
सुन्दर फूल बच्चे लगे बाग न्यारा।।
घमंडी का बाग.....

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
# गीतांजलि सृजन
माह नवंबर 2024

## कक्षा - 1

601

**विषय- गणित पाठ- गिनती**

**तर्ज - एक दो तीन चार पांच छः सात आठ नौ दस ग्यारह बारह तेरह....**

एक, दो, तीन, चार, पाँच, छः, सात, आठ,
नौ, दस, ग्यारह बारह, तेरह,
आओ सीखें=2 गिनती हम बार बार।
एक-एक कर होते हज़ार।।

एक अंक को इकाई कहते,
दो अंक में दहाई कहते,
एक से नौ इकाई होती,
दस से निन्यानबे दहाई होती।
सौ आने पर=2 सैकड़ा होता पार।।
एक-एक कर होते हज़ार...

गिनती आने पर बच्चे चीजें गिनते,
उंगली पर गिन गिन गणित को सीखते,
गिनती को सीख वो निपुण बनते,
निपुण बन नाम रोशन करते।
निपुण बच्चे=2 करते आगे चमत्कार।।
एक-एक कर होते हज़ार......

Hindi Number Chart 1-100
हिन्दी गिनती चार्ट १-१००

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | ११ | २१ | ३१ | ४१ | ५१ | ६१ | ७१ | ८१ | ९१ |
| २ | १२ | २२ | ३२ | ४२ | ५२ | ६२ | ७२ | ८२ | ९२ |
| ३ | १३ | २३ | ३३ | ४३ | ५३ | ६३ | ७३ | ८३ | ९३ |
| ४ | १४ | २४ | ३४ | ४४ | ५४ | ६४ | ७४ | ८४ | ९४ |
| ५ | १५ | २५ | ३५ | ४५ | ५५ | ६५ | ७५ | ८५ | ९५ |
| ६ | १६ | २६ | ३६ | ४६ | ५६ | ६६ | ७६ | ८६ | ९६ |
| ७ | १७ | २७ | ३७ | ४७ | ५७ | ६७ | ७७ | ८७ | ९७ |
| ८ | १८ | २८ | ३८ | ४८ | ५८ | ६८ | ७८ | ८८ | ९८ |
| ९ | १९ | २९ | ३९ | ४९ | ५९ | ६९ | ७९ | ८९ | ९९ |
| १० | २० | ३० | ४० | ५० | ६० | ७० | ८० | ९० | १०० |

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान    शिक्षक का सम्मान    मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

**माह नवंबर 2024**

## कक्षा - 1

**विषय- गणित    पाठ- भिन्न**

**तर्ज - एक बटा दो-दो बटे चार....**

**602**

एक बटा दो, दो बटे चार,
आओ हम समझे भिन्न बार-बार
एक चीज को कई हिस्सों में,
बाँटता हर बार=2
एक बटा दो, दो बटे चार.......

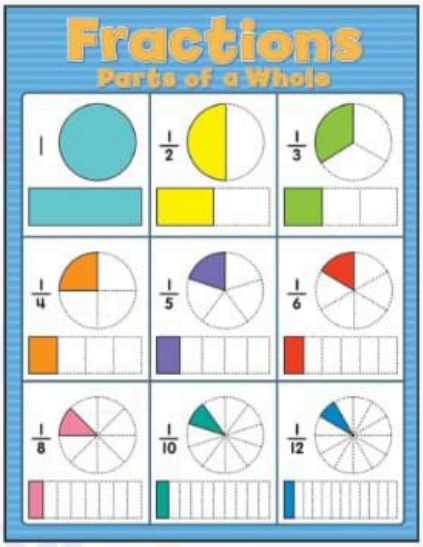




गरमा-गर्म रोटी को जब आधा-आधा बाँटा,
आधा-आधा बाँटा।
नहीं बराबर दो टुकड़ों में उसको तुमने बाँटा,
उसको तुमने बाँटा।
किसी वस्तु के, बराबर टुकड़े, भिन्न में हर
बार=2
एक बटा दो, दो बटे चार.......

एक वस्तु के बराबर चार हिस्से जब करते,
चार हिस्से जब करते।
तब एक हिस्से को हम 1/4 है कहते,
1/4 है कहते।
भिन्न वस्तु के, बराबर टुकड़े, दर्शाती हर बार=2
एक बटा दो, दो बटे चार.......

रचना
**हेमलता गुप्ता (स० अ०)**
**प्रा० वि० मुकंदपुर**
**लोधा, अलीगढ़**

मिशन शिक्षण संवाद
# गीतांजलि सृजन

कक्षा - 3

माह नवंबर 2024

विषय- हमारा परिवेश    पाठ-1 (हमारा परिवार, भाग -1)

603

**तर्ज - साजन मेरा उस पार है....**

चित्र में मधु का परिवार है,
यहाँ आपस में सबको प्यार है।।
दादी, दादा, माँ, पापा साथ में,
छोटे भाई मोनू का प्यार है।।

दादाजी बाजार को जायेंगे,
शक्कर, नमक और तेल लायेंगे,
मधु भी जाती संग बाजार है।
यहाँ आपस में सबको प्यार है।।
चित्र में मधु का परिवार है....

मोनू के लिए पेन मँगाना है,
धागे और पेन्सिल बॉक्स भी लाना है,
घर से निकलते ही आयी पुकार है।
यहाँ आपस में सबको प्यार है।।
चित्र में मधु का परिवार है......

पहले दादी की दवाई दिलवायी,
घर आकर मोनू ने उनको खिलायी,
दादाजी मुखिया जिम्मेदार है।
यहाँ आपस में सबको प्यार है।।
चित्र में मधु का परिवार है......

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

**कक्षा - 3**

**माह नवंबर 2024**

**विषय- हमारा परिवेश    पाठ-1 (हमारा परिवार, भाग -2)**

**604**

**तर्ज - साजन मेरा उस पार है....**

दादाजी और मधु फिर आये जब,
पड़ोसी सुरेश चाचा आये तब,
मधु ने किया नमस्कार है।
यहाँ आपस में सबको प्यार है।।
चित्र में मधु का परिवार है.....

चाचा बातें करके चले गये,
मधु ने सामान रसोई में रखे,
पेन ले मोनू की खुशी अपार है।
यहाँ आपस में सबको प्यार है।।
चित्र में मधु का परिवार है.....

खेती संग प्रेस का काम करते हैं,
माँ,मधु मोनू भी सहायता करते हैं,
मिलजुल कर करते सब काम है।
यहाँ आपस में सबको प्यार है।।
चित्र में मधु का परिवार है.....

हम सब परिवार में रहते हैं,
एक दूजे का सब ध्यान रखते हैं,
पहली पाठशाला ये परिवार है।
यहाँ आपस में सबको प्यार है।।
चित्र में मधु का परिवार है......

---

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

## कक्षा - 3

605

विषय- हमारा परिवेश पाठ-9 (पानी अनमोल है)

तर्ज - पानी रे पानी....

पानी ये पानी, इसका बड़ा उपयोग।
ये है अनमोल,न करो दुरूपयोग।।

प्रतिदिन हम सब पानी पीते और नहाते हैं,
घर की सफाई, कपड़े धोते और नहाते हैं,
पशु पक्षी भी करते इसका उपभोग।
पानी ये पानी.....

पानी के बिन पेड़ पौधे सूख जाते हैं,
इसलिए हम पेड़ों को पानी लगाते हैं,
पानी पीने से होते दूर रोग।
पानी ये पानी.....

गर्मी का मौसम आता तो पानी सूख जाता,
गाँव तालाब साफ करता, हैंडपंप लगवाता,
समस्या दूर करने को करते कई प्रयोग।
पानी ये पानी.....

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

कक्षा - 3

माह नवंबर 2024

606

विषय- संस्कृत पाठ-14 (राष्ट्रीय प्रतीक,भाग -1)

तर्ज - हम तुम्हे चाहते हैं ऐसे....

आओ राष्ट्रीय प्रतीक को जाने=2
अपने भारत देश को होऽऽऽऽऽऽ
अपने भारत देश को और अधिक पहचाने।
आओ राष्ट्रीय प्रतीक को जाने.....

यह राष्ट्रीय ध्वज है हमारा=2
ध्वज में तीन रंग होऽऽऽऽऽऽ,
ध्वज में तीन रंग और चक्र बीच में प्यारा।।
आओ राष्ट्रीय प्रतीक को जाने.....

राज चिन्ह अशोक की लाट=2
जिसमें सिंह बने होऽऽऽऽऽऽ,
जिसमें सिंह बने और चिन्ह में चक्र है साथ।।
आओ राष्ट्रीय प्रतीक को जाने.....

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

## कक्षा - 3

607

विषय- संस्कृत पाठ-14 (राष्ट्रीय प्रतीक,भाग -2)

तर्ज - हम तुम्हे चाहते हैं ऐसे....

बाघ राष्ट्रीय पशु कहलाता=2
इस पशु में अति का होऽऽऽऽऽऽ
इस पशु में अति का बल पाया जाता।।
आओ राष्ट्रीय प्रतीक को जाने.....

मोर राष्ट्रीय पक्षी कहलाता=2
इससे सुन्दर पक्षी होऽऽऽऽऽऽ
इससे सुन्दर पक्षी जग में न पाया जाता।।
आओ राष्ट्रीय प्रतीक को जाने.....

राष्ट्रीय पुष्प हमारा कमल है=2
कमल सुन्दर पुष्प होऽऽऽऽऽऽ
कमल सुन्दर पुष्प और अति कोमल है।।
आओ राष्ट्रीय प्रतीक को जाने.....

रचना

हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़


शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

## कक्षा - 4

608

विषय- संस्कृत पाठ-10 (शरीरस्य अंगानि)

तर्ज - तुम ही मेरे मंदिर....

आओ प्यारे बच्चों, करते ये काम आज।
संस्कृत में सीखें, अंगों के नाम आज।।

मस्तक लालटम् है, बालों को कहते केश:।
उंगली अंगुली कहलाती है, कानों को कहते कर्ण:।
पेट उदरम् कहलाता,
मुँह की मुखम् आवाज।।
संस्कृत में सीखें.....

आंख को नेत्रम् कहते, दाँतों को दंता:,
पैर को चरण: कहते, गर्दन को ग्रीवा:,
नाक को नासिका, जिस पर है सबको नाज।।
संस्कृत में सीखें.....

बाल कच: कहलाते, गाल कपोल:,
कटि: कमर को कहते, होंठ ओष्ठ:,
हाथ कर: कहलाते, जिनसे करते सारे काज।।
संस्कृत में सीखें.....

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

## कक्षा - 4

609

विषय- संस्कृत पाठ-11 (होलिकोत्सव)

तर्ज - आओ बच्चों तुम्हे दिखाए...

आओ बच्चों तुम्हें बतायें, देश में मनाते त्यौहार
जिस में होली का उत्सव होता सबसे मजेदार
होलिकोत्सव... होलिकोत्सव...

फाल्गुन माह की पूर्णिमा को होली मनायी जाती है,
पूर्व रात को लकड़ियों से होली जलायी जाती है,
सुबह सभी को जौं देकर फिर होली मिली जाती है,
बच्चे बूढ़े इक दूजे पर करते रंगों की बौछार।।
होलिकोत्सव... होलिकोत्सव...

दही पकौड़ी, चाट पढ़ाके, गुझिया मिल सब खाते हैं,
होली पर मिलने गले इक दूजे के घर जाते हैं,
भक्त प्रहलाद ओर होलिका की कहानी खूब सुनाते हैं,
हिरणाकश्यप राक्षस का भगवान ने किया संहार।।
होलिकोत्सव... होलिकोत्सव...


रचना

हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

## कक्षा - 5

610

विषय- संस्कृत पाठ-06 (अव्यय शब्दा:)

तर्ज - आओ बच्चों तुम्हे दिखाए.....

किसी भी भाषा के वे शब्द अव्यय कहलाते हैं।
जिनके रूप में हम कोई विकार नहीं पाते हैं।।
अव्यय हैं वे शब्द.... अव्यय हैं वे शब्द....

कोई लिंग हो, कोई वचन हो, कोई पुरुष, कारक या काल,
मूलरूप में रहते हैं ये, हर स्थिति और हर हाल,
न कोई बदलाव है इनमें, चाहे कोई बोलचाल,
अव्यय शब्दों में हम न कोई बदलाव पाते हैं।
किसी भी भाषा के वे शब्द अव्यय कहलाते हैं।।
अव्यय हैं वे शब्द....

कुत्र - कहाँ, सम्प्रति - इस समय, कदा-कब, अपि-भी,
प्रातः-सुबह, किम-क्या, सदा-हमेशा, एव-ही,
चाहे भूत या वर्तमान, चाहे पुरुष या स्त्री ही,
ऐसे अव्यय शब्दों का हम समान अर्थ ही पाते हैं।
किसी भी भाषा के वे शब्द अव्यय कहलाते हैं।।
अव्यय हैं वे शब्द.....

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

## कक्षा - 5

611

विषय- संस्कृत पाठ-09 (लघु परिवार:)

तर्ज - स्वर्ग से सुन्दर .....

घर मेरा यह छोटा सा है, खुशियाँ लाए अपार।
मिलकर सब रहते हैं यहाँ, कहलाता लघु परिवार।।
कि है यह लघु परिवार...
कि है यह लघु परिवार...

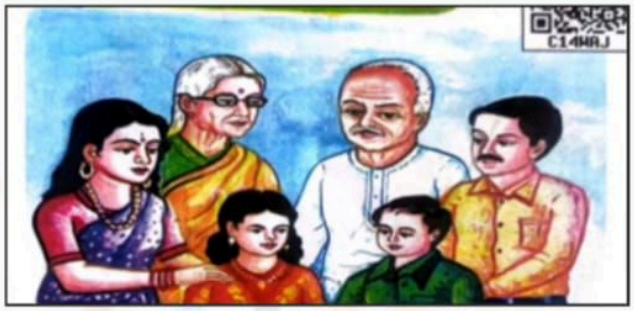

माता ओर पिता संग मेरे,
बहुत ही सीधी आई।
बड़ी सुशीला बहना
और मैं हूँ अच्छा भाई।
न ही कोई दुख हैं यहाँ, सबमें बहुत है प्यार।
कि है यह लघु परिवार....

दादा, दादी संग में रहते,
न गरीब न हम अमीर।
भाई बहन में भेद न करते,
ऐसी पाई है तकदीर।
देखने वाले खुश होते है,ऐसा यह परिवार।।
कि है यह लघु परिवार.....

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

## कक्षा - 5

612

विषय- संस्कृत पाठ-10 ( जन्मदिनम् )

तर्ज - हम भी अगर बच्चे होते .....

आज सुरेखा का है जन्मदिन=2
बहुत खास है आज का दिन।
खुश है बहुत ही आज,
नहा धोकर हो गई वो तैयार।।

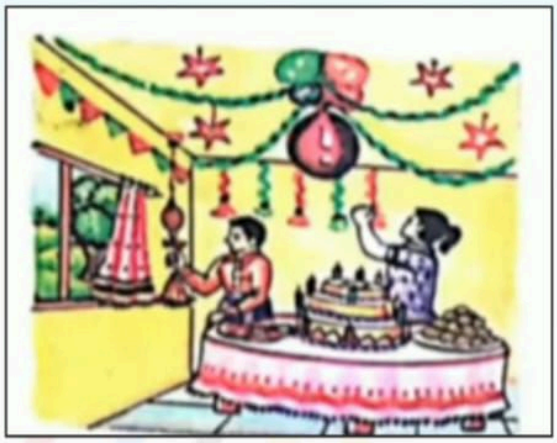

वस्त्र पहनकर नया-नया,
माँ पापा को नमन किया,
सजा लिया घर द्वार।
पार्टी के लिए वह हो गई तैयार।।

सब मित्रों को फोन किया,
आए सब यह आग्रह किया,
सबसे कहा बार-बार।
पार्टी के लिए वह हो गई तैयार।।

शाम को सब आते हैं,
सब मिल ताली बजाते हैं,
सब ने दिए उपहार।
पार्टी के लिए वह हो गई तैयार।।

सबने उसको दिए बधाई,
खाई सबने मिलकर मिठाई,
दावत थी शानदार।
पार्टी के लिए वह हो गई तैयार।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

# कक्षा - 5

613

## विषय- संस्कृत पाठ-11 ( चटका )

**तर्ज - ओ री चिरइयाँ .....**

ओरी चिड़िया, नन्ही सी चिड़िया
खिड़की पे आके बैठी रे...
सौम्या ने देखा, प्रांगण में आकर नन्ही सी चिड़िया को,
सूखे पत्ते लाकर, नीड़ बनाकर,
चिड़िया उसमें बैठी रे....

जल भी रखा फिर, अन्न रखा फिर सौम्या ने आकर,
जल को भी पीती, अन्न को खाती,
अंडों की रक्षा करती रे...

एक बार एक काला कौआ, आया वहाँ उड़ कर,
देख कर कौआ, नन्हीं सी चिड़िया
डर कर सहम गई रे....

जाल को लाकर, नीड़ पे रख कर, सौम्या ने अंडे बचाये
चिड़िया खुश हुई, चियाँ-चियाँ करती,
सौम्या भी खुश हुई रे...

रचना

हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

# कक्षा - 5

614

## विषय- संस्कृत पाठ-16 ( काकस्य उद्यम: )

### तर्ज - आज मौसम बड़ा बेईमान है .....

एक जंगल.... उसमें था एक
कौआ...था एक कौआ...
एक जंगल.....
प्यास से बहुत...वो...प्यास से बहुत...
हुआ व्याकुल...
एक जंगल.....

इधर उधर सब जगह उसने देखा,
कहीं नहीं मिला उसको पानी।
अंत में एक घड़ा उसने देखा,
जिसमें देखा थोड़ा सा पानी।
मन में ठनी पियेगा वो...पियेगा वो
जल...
एक जंगल.....

दूर पत्थर के टुकड़े वो लाया,
एक एक कर घड़े में गिराया।
ज्यों ज्यों डाला घड़े में पत्थर,
त्यों त्यों पानी फिर ऊपर आया।
पानी देख हुआ कौआ बहुत...कौआ
बहुत हर्षल...
एक जंगल.....

पानी पीकर के प्यास बुझाई,
ऐसी बुद्धि जो उसने लगाई।
सभी मेहनत से काम करना,
मेहनत ही उसकी रंग लाई।
इस तरह श्रम का मिलता है.....मिलता
है फल...
एक जंगल.....

रचना

हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद गीतांजलि सृजन

माह नवंबर 2024

## कक्षा - 5

विषय- संस्कृत पाठ-18 ( अहिंसा परमो धर्म: )

615

तर्ज - स्वर्ग से सुन्दर.....

जंगल में राजा था शेर,
मंत्री उसका सियार।
सभी जानवर मिलकर रहते,
जैसे एक परिवार।
देखो कितना था प्यारा।।
कि यह जंगल था न्यारा।।

शेर ने आज्ञा दी फिर,
मंत्री तुम जंगल जाकर।
सभी जानवर आयें,
ऐसा दो एक आमंत्रण।
कोई जानवर रह न जाये=2
ऐसा हो त्यौहार।।
कि यह जंगल था न्यारा...

भालू हो, उल्लू भी,
हाथी, चीता और नाग भी।
बिल्ली, नेवला, सूअर,
मगर ओर व्याघ्र साथ ही।
वर्षा के मौसम में=2
मेंढक सुनाए मल्हार।।
कि यह जंगल था न्यारा....

बैर भाव सब छोड़े,
और नाचे यहाँ मयूर।
सब निर्भीक रहेंगे,
न होगा कोई क्रूर।
अहिंसा परम धर्म हमारा,
चारों तरफ पुकार।।
कि यह जंगल था न्यारा...

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़